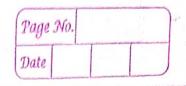
पामाथिङ मुख्योडम डर्झारी દ્યા. 8 Tage No. 308 Date MI, 18/02/2022 मिम्मिखित उत्तर को मिल ऐसी पंडलीये। 4001 का विभाग की जिए। [05 स्रम (1) प्रथम करे ता रम वन भाक अंत करे ता सुर बन आंज (केताब (2) रेयान का खग्रामा है। रयामी झा आ त्रिय हु। इतीरास, विज्ञान का भेड़ार है। सभी बाते मुं है मात्मम प्रव-2 निम्नि सिखित पुर्वी पी अन्तर सिब्दि। इन्सान की बीटने का अर्घ हैं। इन्सान की बीटने का अर्घ हैं। कि जाति - पूर्ती, गां - भैदे, काला - मोरा में लोगों की बीटा जाता हैं। इमें भैदेभाव नहीं कारना चाहिए। समी लोग इन्सान की बाह्य में दीखते हैं, ना की अंदर में। सभी इन्सानी का स्पत्त लालिया हैं। इसी वरह इन्सान की बीटने का अर्घ हैं। त पारहा जो देजिस्तान जी प्या विशेषता हैप पाद्छ जो वेजिस्तान बुंह विशेषता है कि यहीं वेणिस्तान बैसा पाई भी लङ्गण नही हैं। - वाट्स की रेजिस्तान की मस्स्राम भी वाहते हैं। - रेजीस्तान में बरमाद बहीत ही कम हीती है। या हम यह भी काह स्थाते हैं कि बरमाद ना जी धराबर होती है।



- रेगिस्तान में पानी की खिए दूर बाना पड़ता है। - यहीं कीवाम छहीं पेंही बीचीन रह मकते हैं। जिसे पानी की ब्यक्तरीयात कम हो।

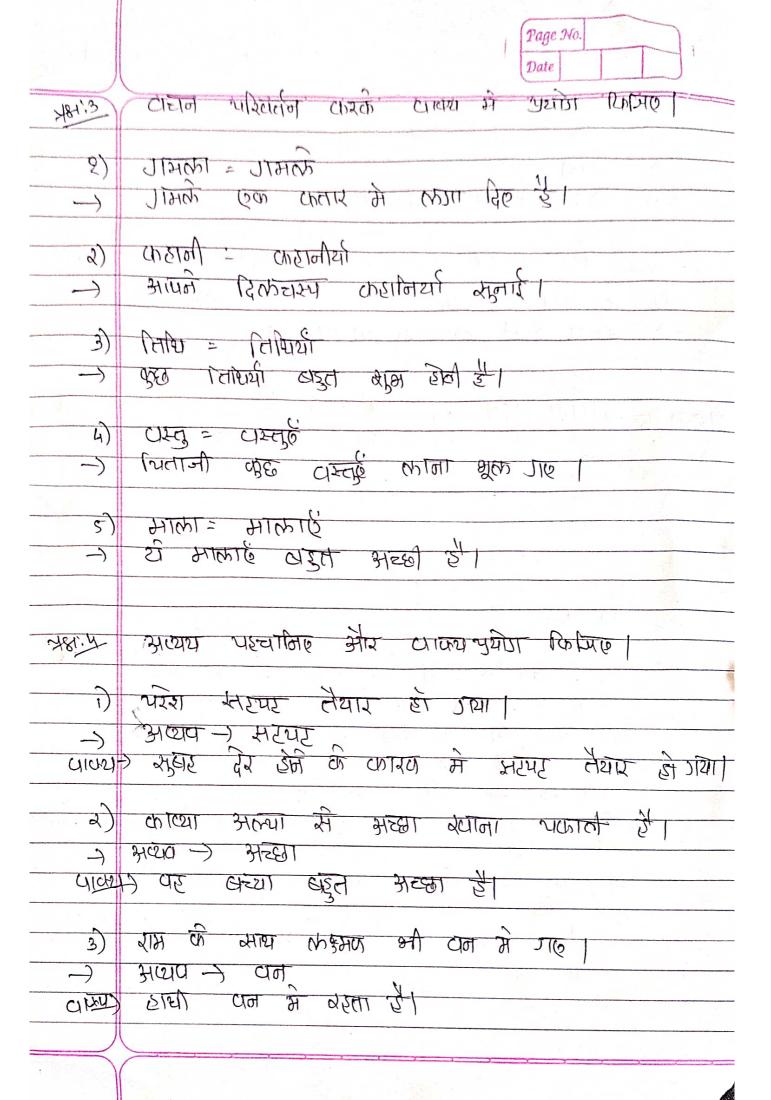
3 चंदम पी उदाह्मण रारा हमें क्या फरना चाहिउ? ताभी उनसे प्रभावित नहीं होता। चंदन के चंड चर र्सीय लियरे रहते है। यरंतु चंदन में उम सोंचा जा दिख ट्यारत नहीं होता। सींपो के साध रहकर भी खंदन उनक

विष से अध्वा ही उहना है। समस्या आने पर हमें दरना नहीं घाहिए। हमें समस्या आने पर भींघना चाहिए पी हम इस समस्या से पीसी बच सपी।

- और उस समस्था 'का निराणरण परना घाडिए।

5. खाडा सिंह वा हिल्य गरिवर्तन पर्धी हुआ? बाबा भारती ने खडगसिंह से प्रार्थना की थी कि बाह्य होड़ा भले ही तमे आह, चर होड़ा हिथियांने की यह घरमा किसीकं साममे एकर में करे। भिस त्र हाल-कपर करके उसमे होडा बाह्य से छीमा उसं सुनकर लोग किसी गरीब चर विश्वास नही टिन्रेग

वाह्य भारती के चे शब्द डाक खड़ासिंड के कामा म मूंजते रहे। उस समा कि बाबा आदमी मही, देवता है। उन्हें अपमी हामि की मही, गरीबा के मुक्तशाम की शिंता है। ऐसे जीचे विचारां वाल पुरुष को थारवा देकार उसमें अरही मही किया उसे उमका घोड़ा लीटा देना चारिए। इस प्रकार 2वड्गिश् का इदय परिवर्तन इसा।



Page 3	Vo.		
Date			

(13	अरे। वद्या बात करते ही।
•)	और विजय, तुम यहां की से?
5)	उनाप डीक्टर बनना परंद करोगे या शिक्षक?
	अत्यत ने या आप नेटी स्वामान या चरारा
पृश्न 5	अपन मित्र का अन्मिर्म के कार्यक्रम में अभिर्मित करते हुँ चरा किरिवर
<u> </u>	12 जवरं ता आधर्मित पृष्टणापुरम
	पानिपूर - 208007 जुलाई - 12 - 2022
	जिय मुजुल इस सम्यो अस्रय में नहीं सिले अतार तुस 14 प्रमानरी को अरे प्रमानिक पर मेरे धर आओतो तो सुझे अत्येत पुत्रनाती जिती इस उस बिन प्रांग पार्टी का आयाजान कर रहे हैं। तुस मेरे स्वसं पुत्र मिन हो और में अपनी पार्टी तुम्हरे बिना आर्याजित करने तो विषय में सोय भी गहीं स्वानती पिछले साल दुस आये से और तुस पामते हो की इसने कितने भवि किये से मैंने अपने पुछ और मिने को आभैति क्या और य सह तुम्हे याद कर रही हैं और यह तुम्हे पार्टी में देखकर बहुत पुन्नना होती मै उस दिन दुम्हारा इन्तजार कर्मना सुभागाभगाओं स्राहित
	निश्री पुाञार